Karnataka State Open University Dept. of Studies and Research in Hindi	कर्नाटक राज्य मुक्तविश्वविद्यालय हिंदी अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग
Syllabus for Ph.D., Entrance Exam 2021-22 Subject: HINDI	**पीएच.डी., प्रवेशिका परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम 2021-22** विषय: हिंदी

हिंदी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन, नामकरण, आदिकाल- (ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, लेखक और कृतियाँ), मध्यकाल- (ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, लेखक और कृतियाँ), आधुनिक काल- (परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख वाद, प्रमुख आंदोलन, प्रमुख कवि, लेखक और कृतियाँ)।

हिंदी भाषा का इतिहास और भाषा विज्ञान

संसार की भाषाओं का वर्गीकरण, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, भाषा के विभिन्न रूप, हिंदी भाषा की बोलियाँ, शब्द-भंडार, लिपि का उद्भव और विकास, भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रवृत्तियाँ, भाषा परिवर्तन के कारण, ध्वनिविज्ञान, पद-विज्ञान, वाक्य-विज्ञान, अर्थ-विज्ञान।

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र

काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य की आत्मा, काव्य हेतु और प्रयोजन, काव्य गुण और दोष, काव्य के विभिन्न संप्रदाय (अलंकार, रस, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य, ध्वनि), शब्द शक्ति, काव्य के भेद।

प्लेटो के काव्य संबंधि विचार, अरस्तु और उनके काव्य सिद्धान्त, लोंजाइनस, होरेस, टी. एस इलियट, आई. ए. रिचर्डस, वर्डसवर्थ, क्रोचे, कॉलरिज, मैथ्यु अर्नाल्ड, कला कला के लिए, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, आदर्शवाद, मार्क्सवाद अतियथार्थवाद।

प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद

प्रयोजनमूलक हिंदी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति, प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र, राजभाषा हिंदी का विकास, भारतीय संविधान और हिंदी भाषा, राजभाषा आयोग 1955, संसदीय राजभाषा समिति 1957, राष्ट्रपति आदेश 1960, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा (संशोधन) अधिनियम 1967 और 1976, राजभाषा, राज्यभाषा और राष्ट्रभाषा, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का संबंध, आलेख और टिप्पण।

अनुवाद- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और प्रकार, अनुवाद कला है या विज्ञान, अनुवाद का महत्व और उपयोगिता, अनुवाद की समस्याएँ (साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ), अच्छे अनुवादक की योग्यताएँ और गुण ।

हिंदी व्याकरण

वर्ण-विचार (स्वर, व्यंजन, उच्चारण एवं वर्गीकरण), शब्द-विचार (व्युत्पत्ति, अर्थ, रचना और प्रयोग की दृष्टि से शब्द-भेद), वाक्य-विचार (वाक्य के भेद), लिंग, वचन, कारक, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, संधि, काल आदि ।

शोध प्रविधि

1. **अनुसंधान**- (क) अनुसंधान का स्वरूप (ख) अनुसंधान का प्रयोजन (ग) अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग (घ) अनुसंधान तथा समालोचना ।

2. **अनुसंधान के प्रकार**-

   (क) साहित्यिक शोध (ख) भाषावैज्ञानिक शोध (ग) भाषा सर्वेक्षण की विधि (घ) काव्य-शास्त्रीय शोध (ङ) साहित्येतिहास सम्बन्धी शोध (च) तुलनात्मक साहित्यिक शोध (छ) लोक-साहित्य सम्बन्धी शोध (ज) साहित्यिक समाजशास्त्रीय शोध (झ) साहित्यिक मनोवैज्ञानिक शोध (ञ) साहित्यिक सौंदर्यशास्त्रीय शोध (ट) साहित्यिक ऐतिहासिक शोध आदि ।

3. **पाठ-शोध की विधि (पाठालोचन)**- (i) प्रकाशित ग्रंथों का पाठ-निर्धारण (ii) अप्रकाशित ग्रंथों का पाठ निर्धारण (iii) पांडुलिपियों में विकृतियों के कारण तथा उनका वर्गीकरण (iv) पांडुलिपियों की विभिन्न उपलब्ध प्रतिलिपियों को मिलाने का ढंग ।

4. **शोध की विभिन्न पद्धतियाँ**- आलोचनात्मक, शास्त्रीय, भाषा-वैज्ञानिक और शैली वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, सर्वेक्षण, समस्यामूलक क्षेत्रीय, आगमन-निगमन। **वैज्ञानिक पद्धति**-मूल तत्त्व, व्यक्तिपरक गुण, वैज्ञानिक पद्धति के सोपान।

   अनुभवाश्रित पद्धति-विशेषताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ ।

   सामाजिक पद्धति-मूल अर्थ, मुख्य संघटक, मूल उद्देश्य, विधियाँ,सीमाएँ ।

5. **शोध की प्रायोगिक विधियाँ (शोध-सामग्री संकलनार्थ)**- (क) प्रश्नावली विधि (ख) साक्षात्कार विधि ।

6. **<u>शोध के विविध आयाम/पक्ष</u>**- (i) विविध पक्ष (ii) आयाम (iii) हिन्दी साहित्यिक शोधकार्य की उपलब्धि (iv) शोध- प्रबंधों की वर्तमान स्थिति (v) शोध प्रबंधों से इतर शोधात्मक समीक्षा-ग्रंथों की स्थिति।

7. **<u>शोध विषय: समस्याएँ, समाधान</u>**- हिन्दी शोध–सम्भावनाएँ।

8. **<u>साहित्यिक शोध के पारिभाषिक</u>**-
   (क) सिद्धान्तपरक पारिभाषिक- तथ्य, अवधारणा, प्राक्कल्पना, सिद्धान्त।
   (ख) पद्धतिपरक पारिभाषिक- आगमन, विश्लेषण, सर्वेक्षण, मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन।
   (ग) प्रस्तुतिपरकता संबंधी पारिभाषिक- वर्गीकरण, शोध प्रबंध, अनुबंध, अवधिक-पत्र।
   (घ) व्यक्तिपरक पारिभाषिक- शोधार्थी, निर्देशक, परीक्षक।

9. **<u>शोध के निमित्त</u>- (क) शोधार्थी-** व्यक्तित्वपरक गुण, व्यावहारिक गुण, योग्यतापरक गुण **(ख) निर्देशक-** व्यक्तित्वपरक गुण, व्यावहारिक गुण, योग्यतापरक गुण **(ग) निर्देशन के सिद्धान्त**।

10. **<u>विषय-चयन तथा शोध-प्रविधि</u>**- (i) विषय-चयन (ii) संभाव्य शोध-विषय (iii) विषय की रूपरेखा/अध्ययन योजना (iv) रूपरेखा बनाने की वैज्ञानिक विधि (v) सामग्री संकलन (vi) संकलित सामग्री का उपयोग।

    (क) लोक साहित्य की शोध प्रविधियाँ (ख) भाषा का अध्ययन (ग) लोक भाषा कोश निर्माण की प्रविधि (घ) साहित्य इतिहास की प्रविधि (ङ) इतिहास लेखन की प्रविधि (च) क्या ऐतिहासिक अनुसंधान अवैज्ञानिक है? (छ) ग्रियर्सन की भाषा सर्वेक्षण प्रणाली।

11. **<u>शोध-प्रबन्ध-लेखन</u>**- (क) शोध-प्रबन्ध की अंगिक व्यवस्था (ख) सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (ग) उद्धरण तथा संदर्भाल्लेख की पद्धति (घ) उपसंहार एवं उपलब्धि (ड) परिशिष्ट (च) अनुक्रमणिका (छ) शोध-प्रबन्ध का दोष और उनका निराकरण।

12. **<u>प्रबन्ध-परीक्षण तथा मौखिकी</u>**- (i) परीक्षक, (ii) परीक्षण, परीक्षक का प्रतिवेदन, सुझाव और पुनःलेखन (iii) मौखिकी: मौखिकी में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ-

1) **हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ**, डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली-06।
2) **हिंदी साहित्य का इतिहास**, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3) **सामान्य भाषा विज्ञान**, डॉ.बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4) **भाषा विज्ञान**, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
5) **हिंदी भाषा का इतिहास**, धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्थानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
6) **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत**, डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7) **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-शास्त्र**, राजनाथ शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलिगढ।
8) **भारतीय व पाश्चात्य काव्य काव्य-शास्त्र तथा हिंदी**, डॉ.रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणासी।
9) **प्रशासनिक हिंदी**, डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
10) **प्रशासनिक कार्यालय मंजूषा**, डॉ. इंद्र सेंगर, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली।
11) **अनुवाद:स्वरूप और आयाम**, डॉ.त्रिभुवन राय, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद।
12) **अनुवाद कला**, डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
13) **अनुवाद विज्ञान**, भोलानाथ तिवारी, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली।
14) **व्यावहारिक हिंदी व्याकरण तथा रचना**, हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15) **हिंदी व्याकरण**, कामताप्रसाद गुरू, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
16) **हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा**, डॉ.मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
17) **शोध प्रविधि**, विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
18) **शोध और सिद्धांत**, डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।

विशेष सूचना- इन उपर्युक्त किताबों में से कुछ किताबें यदि उपलब्ध न हों तो विषय से संबंधित जानकारी पाने हेतु उपलब्ध किताबों का अध्ययन किया जा सकता है।

****